हरिभूमि
रतन भूमि

तापमान
अधिकतम 26.0 डिग्री
न्यूनतम 11.0 डिग्री

रायपुर, रविवार 28 दिसंबर 2025

[राजिम | फिंगेश्वर | छुरा | मुड़ागांव | रसेला | गरियाबंद | कोपरा | मैनपुर | देवभोग | पांडुका | छुईहा बेलर]

13 अब मोबाइल स्क्रीन पर खुलेगा मनरेगा का पूरा कच्चा चिट्ठा

14 सिकासार व उदंती रिजर्व में उमड़े हजारों पर्यटक, ऑस्ट्रेलिया...

खबर संक्षेप

मैनपुर में इस वर्ष नहीं होगा मड़ई मेला

मैनपुर। इस वर्ष मैनपुर में मड़ई मेला का आयोजन नहीं किया गया है बावजूद इसके कुछ अज्ञात लोगों द्वारा 16 जनवरी को मैनपुर मड़ई मेला के नाम पर फर्जी पोस्टर -पांप्लेट बनाकर सोशल मीडिया में प्रचार प्रसार किया जा रहा है जिस पर ग्राम पंचायत मैनपुरखुर्द के सरपंच हनिता नायक ने गंभीर नराजगी जताते हुए कहा कि मैनपुर मड़ई के नाम पर झुठा प्रचार प्रसार किया जा रहा है जो पूरी तरह गलत है क्योकि इस वर्ष मैनपुर में मड़ई मेला का आयोजन नहीं किया जा रहा है। सरपंच हनिता नायक ने कहा की सोशल मीडिया पर झुठा अफवाह फैलाने वालो के ऊपर कार्यवाही किया जायेगा साथ ही इस मामले में जल्द ही मैनपुर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौपकर झुठा अफवाह सोशल मीडिया पर फैलाने वालो पर जॉच की मांग के साथ कार्यवाही की मांग किया जायेगा। मैनपुर सरपंच हनिता नायक ने कहा की इस वर्ष मैनपुर में मड़ई मेला का आयोजन नहीं किया जा रहा है। झुठे प्रचार प्रसार अफवाह के बहकावे न आये मड़ई मेला हमारे धार्मिक आस्था के साथ ही गांव के सभी लोगों की सहमति से होती है।

मेहर समाज का प्रदेश स्तरीय युवक युवती परिचय सम्मेलन आज

नवापारा-राजिम। मेहर समाज का प्रदेश स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन 28 दिसम्बर को भाटापारा में होने जा रहा है। यह जानकारी देते हुए समाज के प्रदेश युवा अध्यक्ष हितेश मंडाई ने बताया कि समाज के युवक-युवतियों को एक सशक्त मंच प्रदान करने, आपसी परिचय, सामाजिक समरसता, संस्कार एवं संगठनात्मक मजबूती के लिए इस आयोजन को किया गया है। कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान एवं उपलब्धि प्राप्त करने वाले युवक-युवतियों सहित समाजहित में कार्यरत लोगों को मंच के माध्यम से सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने समाजिक जनो से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने आग्रह किया है।

29 दिसंबर से तीन दिवसीय आंदोलन पर रहेंगे शिक्षक

राजिम। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के प्रांतीय प्रवक्ता एवं रायपुर संभाग के अध्यक्ष रामनारायण मिश्रा ने बताया कि छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ फेडरेशन के घटक होने के कारण संगठन के शिक्षकगण 29 से 31 दिसंबर तक 11 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन में भाग लेंगे। श्री मिश्रा ने बताया कि 11 सूत्रीय मांगों में प्रमुख रूप से केंद्र के समान समस्त कर्मचारियों एवं पेंशनरों को महंगाई भत्ता, एरियर्स की राशि को जीपीएफ में शामिल, अर्जित अवकाश 300 नकदीकरण, चार स्तरीय वेतनमान प्रदेश में लागू, सेवानिवृत्ति का आयु 65 वर्ष करने के साथ ही कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान की मांग शामिल है। जिले के कर्मचारी गरियाबंद मुख्यालय में धरना प्रदर्शन में शामिल होंगे।

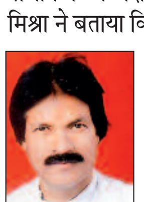

कार्रवाई : चेकिंग के दौरान देवभोग, अमलीपदर और छुरा में अवैध धान पकड़ा गया

अवैध परिवहन के मामले में 48 दिनों में 66 लाख का धान जब्त और 45 गाड़ियां पकड़ीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मैनपुर

जिले पुलिस द्वारा दीगर राज्य से आने वाले अवैध धान परिवहन एवं बिक्री करने वालों के विरूद्ध विगत एक माह, 18 दिवस में 2176.3 क्विंटल कीमती 66 लाख 50 हजार 740 रुपए का अवैध धान जब्त किया गया। शनिवार को थाना देवभोग, अमलीपदर, छुरा के द्वारा धान के अवैध परिवहन एवं बिक्री करते तीन अलग अलग प्रकरण 04 प्रकरणों में कुल 290 कट्टा (119.5 क्विंटल) कीमती 03 लाख 70 हजार 450 सौ रूपये का अवैध धान को किया गया जप्त। विगत एक माह, 18 दिवस से लगातार विशेष अभियान चला कर 41 चार पहिया वाहन एवं 04 लावारिस इस प्रकार कुल 45 प्रकरणों में अवैध परिवहन एवं बिक्री करते 4952 कट्टा धान को जप्त कर संबंधित विभाग को आगामी कार्यवाही के लिए सुपुर्द किया गया। अब तक धान की अवैध परिवहन एवं बिक्री का 2176.3 क्विंटल कीमती 66 लाख 50 हजार 740 रूपये का धान जब्त।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीगर राज्य से आने वाले धान के परिवहन की रोकथाम के लिए बार्डर के चेक पोस्ट में तैनात बल द्वारा गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किया गया था।

कार्रवाई जारी रहेगी

इसी प्रकार विगत एक माह, 18 दिवस से लगातार विशेष अभियान चलाकर थाना देवभोग एवं थाना अमलीदर, थाना छुरा के द्वारा धान के अवैध परिवहन एवं बिक्री करते अलग-अलग कुल 45 प्रकरणों में 4952 कट्टा 2176.3 क्विंटल अवैध परिवहन एवं बिक्री करते हुए पकड़ा गया। धान के परिवहन एवं बिक्री करने के संबंध में वैध कागजात मांगने पर किसी भी प्रकार का कागजात पेश नहीं करने पर अवैध धान परिवहन के संबंध में कार्यवाही कर संबंधित विभाग को सुपुर्द किया गया। अवैध धान बिक्री एवं परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही आगे भी जारी रहेगा।

चेक पोस्ट पर पैनी नजर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समर्थन मूल्यों पर धान खरीदी केवल पंजीकृत किसानों को निर्धारित धान खरीदी केंद्रों में किए जाने के लिस प्रावधान है। चेक पोस्ट के माध्यम से तैनात पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। दिनांक 26-27 दिसंबर को मुखबीर से थाना देवभोग को को सूचना मिला की उडीसा की ओर से थाना देवभोग क्षेत्र में अवैध धान भर बिक्री करने के लिए परिवहन कर रहा है। सूचना तस्दीक पर पुलिस टीम रवाना हो कर घटना स्थल से अवैध धान भरा हुआ 02 बोलेरो पीकअप वाहन क्रमषः क्रमांक सीजी.04-पीएल-0232 में 90 कट्टा एवं लीलैंड वाहन क्रमांक ओडी 08-जे-5631 में 60 कट्टा धान कुल 150 कट्टा (60 क्विंवटल) अवैध धान बिक्री के लिए परिवहन करते पाया गया। इसी क्रम में थाना अमलीपदर को मुखबीर से सूचना मिला की एक बोलेरो वाहन से उडीसा से थाना अमलीपदर क्षेत्र में अवैध धान परिवहन करते बिक्री के लिए ले जा रहा है। सूचना तस्दीक पर थाना से स्टाफ रवान हो कर मुखबीर द्वारा बताये गये घटना स्थल पहुंच कर एक बोलेरो पीकअप वाहन क्रमांक सीजी. 23 एम-4972 को रोक कर तलाषी लेने पर 70 कट्टा अवैध धान प्रत्येक में 45 किलो ग्राम का भर्ती होना पाया गया। इसी क्रम में थाना छुरा को मुखबीर से सूचना मिला की उडीसा से अवैध धान परिवहन करते बिक्री करने के लिए थाना छुरा क्षेत्र जा रहा है। मुखबीर द्वारा बताए गये सूचना के आधार पर थाना छुरा से हमराह स्टाफ के घटना स्थल रवाना हुआ है। जहां वाहन चेकिंग के दौरान एक बोलेरो पीकअप वाहन क्रमांक सीजी-22 एम-4140 को रोकर कर तलाषी लेने पर 70 कट्टा अवैध धान परिवहन करते पाये गया। थाना देवभोग, अमलीपदर, छुरा के द्वारा पृथक–पृथक कार्यवाही करते हुए। कुल कुल 290 कट्टा (119.5) उक्त अवैध धान को समक्ष गवाहन के जप्त कर संबंधित विभाग को सुपुर्द किया गया।

धुरसा में नाबालिग की शादी की तैयारी को पुलिस टीम ने रूकवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गरियाबंद

दूरभाष के माध्यम से प्राप्त सूचना अनुसार जिला कार्यकम अधिकारी श्री अशोक पाण्डेय के निर्देश व जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री अनिल द्विवेदी के मार्गदर्शन में चाइल्ड हेल्प लाईन 1098 गरियाबंद, समर्पित संस्था एवं पाण्डुका पुलिस के सहयोग से एक बाल विवाह को रोकने की त्वरित कार्यवाही की है।

■ पुलिस और चाइल्ड लाइन ने रुकवाई शादी

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना पाण्डुका के अंतर्गत ग्राम पंचायत धुरसा में 26 दिसम्बर 2025 को एक नाबालिग बालक की विवाह करने की जानकारी दूरभाष से प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही चाइल्ड लाइन गरियाबंद से सुपरवाईजर अहिल्या ठाकुर, शिव आधार साहू, समर्पित संस्था से जिला समन्वयक रामा जावलकर, नंदनी सामाजिक कार्यकर्ता एवं आवा से जिला चाइल्ड राईट एसोसिएट मोहम्मद शारिब तथा पाण्डुका पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुँची। टीम द्वारा बालक एवं उनके परिजनों से विस्तृत पूछताछ की गई तथा आयु सत्यापन के लिए बालक के स्कूल दाखिला खारिज के आधार पर उसकी आयु 17 वर्ष 11 माह 12 दिन पाई गई। निर्धारित 26 दिसम्बर 2025 को उसकी विवाह आयोजित की जानी थी जो स्पष्ट रूप से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम का उल्लंघन है।

समझाईश दी गई

इस अधिनियम के प्रावधानानुसार विवाह के लिए बालिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा बालक की न्यूनतम आयु 21 वर्ष अनिवार्य है। अधिनियम का उल्लंघन करते हुए नाबालिग बालक, बालिका का विवाह करने कराने अथवा सहयोग करने वाले सभी व्यक्ति दंड के भागीदार होते है। जिनके लिए 2 वर्ष तक का कठोर कारावास, 1 लाख रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों से दंडित करने का प्रावधान है। समर्पित, आवा संस्था एवं चाइल्ड लाइन टीम द्वारा बालक उसके माता, पिता, परिवारजनों सहित उपस्थित ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों तथा इसके शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और भविष्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों की जानकारी देकर समझाईश दी गई। परिजनों एवं ग्रामीणों ने टीम की समझाईश से सहमति प्रकट करते हुए बालक को 21 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरांत ही विवाह कराने का आश्वासन दिया। टीम ने ग्रामिणों से आग्रह किया कि बाल विवाह सामाजिक बुराई है और निर्धारित आयु सीमा के पालन से बालक, बालिका के शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वावलंबन तथा परिवार नियोजन में उल्लेखनीय सुधार संभव है। इसी क्रम में जिले में बाल विवाह स्थ्य, कुपोषण उन्मूलन, रोकथाम के लिए निरंतर अभियान संचालित किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी अनुसार द्वारा बाल विवाह स्थल पर पहुंचकर पूछताछ कर दाखिल खारिज के अनुसार बालक के आयु का सत्यापन करते हुये विवाह को रोका गया।

125 दिन काम और समय पर होगा भुगतान : सरंपच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छुईहा बेलर

शासन के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत बारूला के परिसर में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के प्रचार-प्रसार एवं क्रियान्वयन के लिए विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच सुकदेव राम साहू ने की। सरपंच सुकदेव राम साहू ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए योजना के तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस नई योजना के तहत ग्रामीणों को साल में 125 दिवस का सुनिश्चित रोजगार प्रदान किया जाएगा। योजना की प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं। मजदूरी का समय पर भुगतान सुनिश्चित करना। काम न मिलने की स्थिति में भत्ते का प्रावधान। जल सुरक्षा एवं संरक्षण, ग्रामीण अधोसंरचना विकास (इंफ्रास्ट्रक्चर), आजीविका संवर्धन और जलवायु ▶▶ शेष पेज 13 पर

रामलला दर्शन के लिए जिले से 94 श्रद्धालुओं का दल रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गरियाबंद

राज्य शासन द्वारा लोगों को अयोध्या धाम एवं काशी विश्वनाथ दर्शन कराने के लिए श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत दर्शनार्थियों को अयोध्या धाम में श्री रामलला का निःशुल्क दर्शन कराया जा रहा है। साथ ही काशी विश्वनाथ का भी भ्रमण कराया जा रहा है। शासन द्वारा प्रत्येक जिलों से चयन कर सभी श्रद्धालुओं को ट्रेन के माध्यम से उन्हें रामलला के दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है। इसी क्रम में आज नगरपालिका अध्यक्ष रिखिराम यादव, बीजेपी अध्यक्ष अनिल चन्द्राकर, सुरेन्द्र सोनटेके, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डीपी ठाकुर सहित ने गरियाबंद जिले से भी दर्शनार्थियों से युक्त 2 बसों को हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से श्रीरामलला दर्शन अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। जिले के कुल 94 दर्शनार्थी आज रवाना हुए। इस दौरान अतिथियों ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। 94 श्रद्धालुओं में उनके देख-देख के लिए 4 अनुरक्षक भी शामिल है। चयनित तीर्थ यात्रियों को बस से रायपुर के लिए रवाना किया गया। रायपुर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन द्वारा श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम की यात्रा के लिए ले जाया जाएगा। यात्रा पश्चात तीर्थयात्रियों की जिला वापसी होगी।

निःशुल्क यात्रा के साथ खाने, पीने और रहने की भी व्यवस्था- गरियाबंद जिले से अयोध्या जा रहे श्रद्धालुओं ने राज्य शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अयोध्या धाम जाकर प्रभु श्रीराम जी के दर्शन का अवसर मिलेगा, जिससे वे अत्यंत आनंदित हैं। श्रद्धालुओं की अयोध्या जाने की इच्छा पूरी करने वाली इस योजना के लिए जिले के श्रद्धालु ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया। निःशुल्क यात्रा के साथ खाने, पीने और रहने की भी व्यवस्था की गई है। इससे श्रद्धालुओं पर कोई आर्थिक बोझ भी नहीं बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा। जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने, वहां रहने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी। इस ट्रेन में टूर एक्सपर्ट, सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेंगे।

केंवट का प्रेम और भरत का त्याग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

सच्ची भक्ति ही जीवन का आधार है : प्रशांत महाराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नवापारा-राजिम

शहर के श्रीराधाकृष्ण मंदिर में श्री सुंदरकांड जनकल्याण समिति द्वारा आयोजित श्रीराम कथा के दौरान अयोध्या से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रशांत जी महाराज ने शनिवार को अत्यंत मार्मिक और हृदयस्पर्शी प्रसंगों का वर्णन किया। उनकी भावपूर्ण वाणी ने उपस्थित श्रद्धालुओं के हृदय को गहराई से स्पर्श किया। कथा के दौरान महाराज जी ने भक्तराज निषाद, केंवट तथा भरत के चरित्रों का अत्यंत विस्तार और भावनात्मक रूप से वर्णन किया। बताया कि कैसे प्रभु श्रीराम ने निषादराज को गले लगाया, केंवट के प्रेम और निष्काम सेवा को स्वीकार किया तथा भरत के त्याग, भ्रातृप्रेम और आदर्श जीवन से सम्पूर्ण मानवता को मार्गदर्शन दिया। प्रभु श्रीराम के आदर्शों, प्रेम, करुणा और मर्यादा का ऐसा सजीव चित्रण सुनकर श्रोता आत्मिक आनंद में डूब गए। इन प्रसंगों के वर्णन के समय कथा पंडाल का वातावरण पूरी तरह भाव-विभोर एवं करुणामय हो गया। अनेक श्रद्धालुओं की आँखों से अश्रुधारा बहने लगी। प्रभु श्रीराम के आदर्शों, प्रेम, करुणा और मर्यादा का सजीव चित्रण सुनकर श्रोता आत्मिक आनंद और भक्ति रस में डूब गए। महाराज जी ने भक्तराज निषाद की कथा सुनाते हुए बताया कि वनगमन के समय प्रभु श्रीराम ने निषादराज को हृदय से लगाया। यह प्रसंग इस बात का प्रतीक है कि प्रभु के लिए भक्ति ही सबसे बड़ा संबंध है। निषादराज और प्रभु श्रीराम की मित्रता सच्ची समरसता और मानवता का संदेश देती है। इसके पश्चात भ्राता भरत के चरित्र का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। पंडित प्रशांत जी महाराज ने बताया कि भरत ने राजसिंहासन को ▶▶ शेष पेज 13 पर

एसडीएम ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मैनपुर

तहसील मुख्यालय मैनपुर एसडीएम कार्यालय में मैनपुर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डॉ. तुलसीदास मरकाम ने सभी तहसीलदार, आरआई एवं पटवारियो की समीक्षा बैठक लिया और धान खरीदी में आ रही समस्या का तत्काल निराकरण करने के साथ ही फौती नामांतरण, बटवारा, डिजिटल साइन, आधार प्रविष्टि कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। इस दौरान एसडीएम ने सभी धान खरीदी केंद्रों का समीक्षा करते हुए कहा कि किसी भी किसान को धान विक्रय करने में परेशानी न हो जहां जो समस्या आ रही है उसका तत्काल निराकरण किया जाए साथ ही तहसील में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाने व समय सीमा तय किया गया है।

खबर संक्षेप

राजमानस संघ का शपथ ग्रहण समारोह आज

धमतरी। श्री राजमानस संघ छत्तीसगढ़ धमतरी के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह सत्संग भवन गोकुलपुर में 28 दिसम्बर रविवार को प्रातः 11 बजे रखा गया है। राजमानस संघ धमतरी के वार्षिक सम्मेलन की समीक्षा भी होगी। यह जानकारी सचिव डॉ. जेएल देवांगन श्री राजमानस संघ धमतरी ने दी है।

मुजगहन में 30 को होगी मड़ई

धमतरी। ग्राम मुजगहन में 30 दिसम्बर को मड़ई महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध सांस्कृतिक दल राग अनुराग कला मंच दुर्ग द्वारा आकर्षक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी।

माकरदोना में मड़ई 2 जनवरी को

धमतरी। ग्राम माकरदोना में 2 जनवरी शुक्रवार को मड़ई मेला का आयोजन किया गया है। रात्रि में मनोरंजन के लिए गोपाल बलराम लोककला नाच पार्टी ग्राम निपानी बालोद का कार्यक्रम रखा गया है। यह जानकारी ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष श्रवण नेताम, कोषाध्यक्ष मस्तराम साहू, सचिव लोकेश साहू, विनोद मरकाम, लखन मरकाम, देवनारायण पटेल ने दी है।

जयंती समारोह में शामिल हुए तुषार

महासमुंद। संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास की जयंती पर तेंदूवाही में आयोजित समारोह में भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साहू सम्मिलित हुआ। इस मौके पर तुषार साहू ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास ने अपने तप, त्याग और विचारों से समाज को नैतिकता, सत्य और करुणा के मार्ग पर अग्रसर किया। उनका जीवन हमें अन्याय, कुरीतियों और भेदभाव के विरुद्ध जागरूक होकर समाज सुधार के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है।

कथा में भाव-विभोर होकर धर्म, तप और मोक्ष की व्याख्या से आनंदित हुए श्रद्धालु

श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस पर कपिल मुनि संवाद, सती अनसूया, ध्रुव तपस्या और जड़भरत कथा से भाव-विभोर हुए श्रोता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिरकोनी

आदर्श ग्राम बिरकोनी में चल रही श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा महोत्सव के तीसरे दिन की कथाव्यास आचार्य पंडित दीपक शर्मा ने कपिल मुनि संवाद, सती अनसूया, ध्रुव तपस्या और जड़भरत कथा श्रोताओं को सुनाई। जिसमें प्रथम प्रसंग पर भगवान विष्णु के पांचवें अवतार की आराधना कपिल मुनि के रूप में करते हैं। विष्णु के 24 अवतारों में से प्रमुख है, जिसे अग्नि का अवतार के नाम से जाना जाता है। ब्रह्मा के मानस पुत्र कपिल मुनि सनातन धर्म के संरक्षण के लिए धरती पर अवतरित हुए थे और उसने मानव को जीवन जीने की कलाएं सिखाईं। चरित्र के प्रसंग को सुनाते हुए बताया कि परिवार को बचाए रखने के लिए धैर्य, भक्ति नियमित करना चाहिए। क्योंकि, बचपन कच्चे मिट्टी की तरह होता है, उसे जैसा चाहे वैसा पात्र बनाया जा सकता है। हिंदू धर्म में पत्नी द्वारा पति के प्रति पूर्ण निष्ठा, कर्तव्य और समर्पण भाव ही पतिव्रता धर्म हैं। अनसूया अपने पतिव्रत धर्म से तीनों लोकों में विख्यात थी। अनसूया जैसे मन को पवित्र और सात्विक विचार व्यक्ति को देवत्व तक ले जाता हैं।

ध्रुव की कथा ने मुख्य रूप से आज के युवाओं को प्रेरित किया। देवर्षि नारद के मार्गदर्शन में ध्रुव द्वारा ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करते हुए एक पैर पर खड़े

होकर छह माह की कठोर तपस्या में लीन रहकर भक्ति और संकल्प की शक्ति को उजागर किया कि कैसे 5 वर्षीय ध्रुव ने विमाता सुरुचि के अपमान के बाद अपनी माता सुनीति के कहने पर दृढ़ निश्चय और कठोर तपस्या के बल पर भगवान विष्णु के दर्शन प्राप्त किए और ध्रुव तारे के रूप में अमर हो गए, जो जीवन में अटल संकल्प और ईश्वर भक्ति के महत्व को दर्शाता है कि आयु कम हो, पर सच्ची भक्ति और दृढ़ता से ईश्वर को पाया जा सकता है। आचार्य ने जड़ भरत की कथा में बताया कि, जिनका जन्म पिछले जन्म में राजा के रूप में हुआ था। लेकिन, अपने पालतू हिरण के बच्चे से अत्यधिक लगाव के कारण उनका पुनर्जन्म हिरण के रूप में हुआ। वे पूर्व जन्म में राजा भरत थे, जिन्हें हिरण से लगाव हो गया था। जड़ भरत से उनके भाइयों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया, लेकिन वे सुख-दुख से अप्रभावित रहे, केवल अपनी शाश्वत आत्मा में लीन रहे। जब उन्हें एक देवी को बलि चढ़ाया जाने वाला था, तब देवी ने उनकी उच्च आध्यात्मिक अवस्था के कारण उनकी रक्षा की। जड़भरत का ज्ञान पूरे भारत में फैल गया। जिन्होंने सांसारिक मोह से मुक्ति के लिए मुख्य उपदेश इंद्रियों पर नियंत्रण और इच्छाओं पर अंकुश लगाना हैं। हमें इच्छाओं को असीमित रूप से बढ़ने नहीं देना चाहिए। हमारी खुशी और दुख के लिए केवल हमारे कर्म ही जिम्मेदार हैं। कथा के दौरान वातावरण ध्रुव नाम स्मरण और हरि बोल, हरि बोल के जयघोष से गूंज उठा। ओम नमो भगवते वासुदेवय नमः भजन कीर्तन का दौर भक्तों के जयकारे के साथ क्षेत्र गुंजायमान रहे। इस असवर पर तारेन चंद्राकर, नारायण साहू, झड़ी निषाद, पुनऊ पाडे, पवन साहू, संभु साहू, पुनीत राम साहू, श्याम निषाद, प्रेम चंद निषाद, गजाधर चंद्राकर, मंगलू निषाद, दीपक साहू, दाऊ यादव, रामा यादव सहित ग्रामीण धर्म प्रेमी सैकड़ों श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर कथा रसपान का आनंद लेते रहे।

आयोजन : पीसीए अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन

महासमुंद को हराकर पिथौरा की टीम बनी चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिथौरा

पिथौरा क्रिकेट अकादमी (पीसीए) के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन शनिवार को खेल भावना, उत्साह और उमंग के साथ हुआ। फाइनल मुकाबले में पिथौरा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महासमुंद को पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

प्रतियोगिता में जिलेभर से आई विभिन्न टीमों ने भाग लेकर अपने कौशल और प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों में अनुशासन, टीमवर्क और प्रतिस्पर्धात्मक भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी आकाश अग्रवाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीसीए के संरक्षक लक्ष्मीकांत सोनी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पीसीए के संयोजक मनमीत छाबड़ा रिक्की, अध्यक्ष दुलीकेशन साहू, वरिष्ठ खिलाड़ी लोकनाथ बैगा डड़सेना, सुधीर प्रधान, गोविंद शर्मा एवं मोनू सलूजा उपस्थित रहे।

फाइनल मुकाबले में महासमुंद की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पिथौरा की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन का मजबूत लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी महासमुंद की टीम 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर मात्र 98 रन ही बना सकी। इस प्रकार पिथौरा की टीम ने 70 रनों से शानदार जीत दर्ज करते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महेश पटेल को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के आधार पर वैभव तिवारी को मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार प्रदान किया गया। बेस्ट बैट्समैन का खिताब महेश पटेल को मिला, जबकि बेस्ट बॉलर का पुरस्कार दीपेश सिंह को प्रदान किया गया। इसके अलावा बेस्ट विकेटकीपर के रूप में तेजस जायसवाल एवं बेस्ट फील्डर के रूप में अनंत हरि पांडे को सम्मानित किया गया।

ड्यूस बॉल से खेले गए मुकाबलों ने खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय क्रिकेट का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया, जिससे उनके खेल में तकनीकी दक्षता और मानसिक मजबूती का विकास हुआ। समापन अवसर पर आयोजन समिति द्वारा विजेता पिथौरा टीम एवं उपविजेता महासमुंद टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं ग्रामीण एवं शहरी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ भविष्य के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को तराशने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इस आयोजन को सफल बनाने में नगर पंचायत अध्यक्ष देवेश निषाद, सुधीर प्रधान, गोपाल शर्मा, विक्की सलूजा, राजेश चौधरी, रामलाल पटेल, सुरेश ठाकुर, दिनेश साहू, डोलामणि डनसेना, अंजय सिन्हा, दुर्गेश सोनी, विजय गौतम, रमेश श्रीवास्तव, कुंदन पटेल, मोहम्मद असलम, मोनू सलूजा, कमलेश पटेल, गजानंद पटेल, अमन चौधरी, हेमंत पटेल, जितेंद्र रात्रे, विजय सिदार, सागर सलूजा, सुनील यादव, प्रेमराजन रौतिया, पोलेस मिश्रा, अविनाश पटेल, अविनाश मित्तल राजा, चिरंजीवी सिन्हा एवं कलीम खान का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

बाबा ने समाज को मानवता का दिया संदेशः त्रिभुवन

महासमुंद। परसकोल में आयोजित गुरु घासीदास बाबा की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व नपा उपाध्यक्ष व समाज प्रमुख त्रिभुवन महिलांग उपस्थित थे। इस दौरान महिलांग ने कहा कि संत गुरु घासीदास बाबा ने मानव समाज को मानवता का संदेश देने के साथ ही एक सूत्र में बांधने का कार्य किया है। गुरु ने अपने जीवन में मानवता, एकता व समृद्धि का मार्ग दिखाया है, जो आज भी हमारे जीवन में प्रासंगिक है। उन्होंने आगे कहा छत्तीसगढ़ में गुरु घासीदास बाबा के मानवता व समतामूलक विचार धारा मानव समाज को आपस में एक दूसरे को जोड़ती है। उन्होंने आगे कहा कि गुरु घासीदास ने समूचे जगत के कल्याण का रास्ता दिखाया है। उनका संदेश मनखे-मनखे एक समान, आपसी भाई चारा और सबको एक सूत्र में बांधकर रखने का संदेश देता है। महिलांग ने कहा कि सतनाम संस्कृति आज प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनती जा रही है। जहां ना कोई भेद-भाव है और ना ही नफरत। बाबा का संदेश सभी को एक सूत्र में बांधने और आपसी भेदभाव को समाप्त करने की प्रेरणा देती है। इस दौरान प्रमुख रुप से राजकुमार सोनवानी, जगमोहन, सरपंच ध्रुव, उपसरपंच साहू व किशन देवांगन सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग व ग्रामीण उपस्थित थे।

जय श्रीराम के जयघोष के साथ रवाना हुए पिथौरा के तीर्थ यात्री

रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना के अंतर्गत होगी धार्मिक यात्रा पूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिथौरा

राज्य शासन की महत्वाकांक्षी रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना के अंतर्गत पिथौरा जनपद पंचायत परिसर से तीर्थ यात्रियों का एक जत्था श्रद्धा और उत्साह के साथ अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष उषा घृतलहरे, जिला पंचायत सभापति रामदुलारी सिन्हा, जनपद सदस्य पुरुषोत्तम घृतलहरे एवं सांसद प्रतिनिधि मनमीत सिंह छाबड़ा रिक्की द्वारा तीर्थ यात्रियों को जय श्रीराम के जयघोष के साथ विधिवत रवाना किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने बताया कि यह योजना उन श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है, जो लंबे समय से अयोध्या धाम जाकर रामलला के दर्शन की इच्छा रखते थे, परंतु विभिन्न कारणों से ऐसा कर पाने में असमर्थ थे। उन्होंने कहा कि शासन की इस पहल से वरिष्ठ नागरिकों एवं आमजन को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं निशुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर मिल रहा है। यात्रा के दौरान ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे श्रद्धालु निश्चिंत होकर अपनी धार्मिक यात्रा पूर्ण कर सकें।

इस अवसर पर जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने तीर्थ यात्रियों की सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना के माध्यम से शासन द्वारा धार्मिक आस्था को सम्मान देते हुए सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण की दिशा में एक सार्थक पहल की जा रही है, जिसका लाभ क्षेत्र के श्रद्धालुओं को निरंतर मिल रहा है।

सिंघनपुर में डीएमएफ योजना के तहत 50 किसानों को बीज वितरण व कृषि प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झलप

ग्राम पंचायत सिंघनपुर में कृषि विभाग द्वारा डीएमएफ (जिला खनिज न्यास) योजना के अंतर्गत कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए 50 किसानों को रागी एवं भुट्टा (मक्का) बीज का वितरण एवं कृषि प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराकर उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना एवं आधुनिक खेती के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शम्मी सलूजा विधायक प्रतिनिधि (राजस्व विभाग) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता झालबाई पंचराम राय, सरपंच ग्राम पंचायत सिंघनपुर ने की। विशेष

अतिथियों में कुलजीत सलूजा विधायक प्रतिनिधि (वन विभाग), तिजन गब्बर साहू जनपद सदस्य, देवेंद्र राय अध्यक्ष प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति सराईपाली, रामेश्वर गब्बर साहू उपसरपंच, राजा अग्रवाल गौ सेवा आयोग जिला सदस्य, दीनदयाल योगी ग्राम प्रमुख एवं रामेश्वर भारती ग्राम प्रमुख उपस्थित रहे। कृषि विस्तार अधिकारी कुरेंद्र ठाकुर ने किसानों को रागी व भुट्टा की उन्नत खेती, बीज उपचार, बुवाई की विधि एवं उत्पादन बढ़ाने के तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने डीएमएफ योजना के तहत मिलने वाले लाभों पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में वार्ड पंच व ग्राम प्रमुखों की सक्रिय भागीदारी रही, जिनमें लालजी भारती, सुंदर कुर्रे, पूरन कोसरिया, बेदराम निषाद, किसन जांगड़े, चैतराम यादव, चमन रात्रे, हेमलाल साहू, तोरण साहू, नंदू साहू, टेकराम भारती, अनिल निषाद, गोवर्धन आवड़े, अर्जुन कोसरिया, मुकेश खूंटे, नरसिंग सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने किसानों को बीज वितरण कर कृषि नवाचारों को अपनाने का आह्वान किया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे किसानों के लिए उपयोगी बताया।

गेर्रा उपार्जन केंद्र का सरला ने किया औचक निरीक्षण

सरायपाली। सरायपाली विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत धान खरीदी केंद्र गेर्रा–टेमरी में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए वहां उपस्थित किसानों से सीधे संवाद किया गया और उनकी समस्याओं व सुझावों को सुना गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों से धान खरीदी की प्रक्रिया, तौल, भुगतान व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थागत पहलुओं की जानकारी भी ली गई। निरीक्षण के समय छग महिला आयोग के सदस्य सरला कोसरिया, नोडल अधिकारी केएल पैकरा, केंद्र व्यवस्थापक युधिष्ठिर बरिहा, भाजपा मंडल अध्यक्ष बलौदा नीलांबर तांडी, प्राथमिक सहकारी समिति गेर्रा–टेमरी के अमृतलाल साहू, सुभाष साहू, धर्मेंद्र सिंह ठाकुर, बेलमुंडी के सरपंच महेश पटेल तथा कोटवार विश्वनाथ सोना सहित अन्य

जनप्रतिनिधि और कर्मचारी उपस्थित रहे। किसानों से चर्चा के दौरान उनकी उपज की तौल, पंजीयन, टोकन व्यवस्था एवं परिवहन से जुड़ी स्थिति पर जानकारी ली गई। निरीक्षण दल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि धान विक्रय के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी प्रक्रियाएं शासन के निर्देशानुसार पारदर्शी ढंग से पूरी की जाएं। खरीदी केंद्र में साफ-सफाई, छाया, पेयजल और बैठने की उचित व्यवस्था बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कर्मचारियों को समयबद्ध कार्य निष्पादन, किसानों से सौहार्द्रपूर्ण व्यवहार और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान किसानों ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कुछ सुझाव भी रखे, जिन्हें शीघ्र अमल में लाने का आश्वासन दिया गया।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार बैंक कर्मी की मौत

धमतरी। नेशनल हाईवे से होते हुए लौट रहे बैंक कर्मी युवक को अज्ञात वाहन ने चपेट में ले लिया। इस घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार गुरुर थाना क्षेत्र के ग्राम कनेरी निवासी भीषम यादव रायपुर स्थित आरबीएन बैंक में कार्यरत था। युवक शुक्रवार की रात्रि मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 24 के 6075 में सवार होकर नेशनल हाईवे से होते हुए अपने घर कनेरी जा रहा था। इसी दौरान पुट्टू ढाबा से पहले निर्मल फ्यूल्स के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को ठोकर मार दी। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद अज्ञात चालक अपने वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

गोलवलकर स्कूल में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन, विजेताओं को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सरायपाली

शासकीय माधवराव सदाशिव गोलवलकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ शाला विकास समिति के अध्यक्ष कमल किशोर अग्रवाल द्वारा शाला विकास समिति के सदस्य तथा स्कूल के स्टाफ की उपस्थिति में किया गया। प्राचार्य सहदेव प्रधान द्वारा छात्र-छात्राओं को उद्बोधन में खेल तथा उसके महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। तत्पश्चात विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 100 मीटर दौड़ में प्रथम संगीता बारी, द्वितीय बिंदिया प्रधान, 200 मीटर दौड़ में प्रथम आरती, द्वितीय संगीता बारी, ऊंची कूद में प्रथम नम्रता बाघ, द्वितीय रेखा ओगरे, लंबी कूद में प्रथम नम्रता बाघ, द्वितीय बिंदिया प्रधान, कैरम प्रतियोगिता में प्रथम धांसू अग्रवाल एवं मोनिका पटेल द्वितीय अंजना कुजूर एवं रोशनी, गोला फेक में प्रथम बिंदिया प्रधान, द्वितीय प्रतिमा, भाला फेंक में प्रथम रोशनी, द्वितीय सरोजिनी, लंगड़ी दौड़ में प्रथम यामिनी रात्रे एवं जयंती रात्रे, द्वितीय भारती सलमा एवं निक्की नाग, बैडमिंटन में प्रथम एलोरा तांडी एवं आशा पटेल एवं द्वितीय धांसू अग्रवाल एवं मोनिका पटेल, कुर्सी दौड़ बालिका वर्ग में प्रथम पंकजनी नाग एवं द्वितीय अदिति ओगरे, फुगड़ी प्रतियोगिता में प्रथम एलोरा तांडी, द्वितीय भारती सलमा, इस प्रकार बालिका वर्ग एवं बालक वर्ग को 4 दलों में विभाजित कर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बालिका वर्ग के सामूहिक खेल में कबड्डी में प्रथम मधुराम दल से तनु पटेल, नैना खूंटे, जयंती रात्रे, टिकेश्वरी पटेल, यामिनी रात्रे, किरण चौहान एवं नम्रता बाघ तथा द्वितीय सत्यम दल से एलोरा

तांडी, पम्मीरानी चौहान, प्रतिभा मुंडा, दुर्गा कुजूर, आरती यादव, टिकेश्वरी सोनवानी तथा हेमलता विजयी रहे। इसी प्रकार खो खो में प्रथम मधुरम दल एवं द्वितीय सत्यम दल, रस्सा कस्सी प्रतियोगिता में प्रथम मधुरम दल एवं द्वितीय सत्यम दल रहे। बालक वर्ग में भी विभिन्न खेलों में प्रतियोगिता हुई।

जिसमें 100 दौड़ में प्रथम किशन एवं द्वितीय लोकेश पटेल, 200 मीटर दौड़ में प्रथम धर्मेंद्र वर्गे द्वितीय भुनेश मुंडा, ऊंची कूद में प्रथम गुणसागर कलेत एवं द्वितीय अनिकेत सिंह, लंबी कूद में प्रथम किरण कुमार तथा द्वितीय पंकज चौहान, भाला फेंक में प्रथम चंदन स्वाईं एवं द्वितीय समीर नायक, लंगड़ी दौड़ में प्रथम किरण कुमार एवं धर्मेंद्र वर्गे, द्वितीय गुणसागर कलेत एवं लोकेश पटेल, गोला फेंक में प्रथम राजेंद्र चौहान, द्वितीय चंदन, चेस में प्रथम ओबेद तांडी, द्वितीय समीर नायक, कैरम में प्रथम ओबेद तांडी एवं गीतेश भोई, द्वितीय भोजराज अग्रवाल एवं गुणसागर, कुर्सी दौड़ में बालक वर्ग में प्रथम रोशन एवं द्वितीय देवेश साव, बैडमिंटन में प्रथम प्रशांत कुमार एवं लोकेश रात्रे, द्वितीय छायाकांत एवं हर्ष साहू रहे। सामूहिक क्रीड़ा प्रदर्शन कबड्डी में प्रथम सुंदरम दल तथा द्वितीय सत्यम दल, खो खो में प्रथम सुंदरम दल तथा द्वितीय शिवम दल, रस्सा कस्सी में प्रथम मधुरम दल तथा द्वितीय सुंदरम दल, संखली में प्रथम सुंदरम दल तथा द्वितीय मधुरम दल रहे। इस प्रकार बालक तथा बालिका वर्ग के खेलो के पश्चात पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि शाला विकास समिति के अध्यक्ष कमल किशोर अग्रवाल तथा अध्यक्ष कार्यक्रम के प्राचार्य सहदेव प्रधान रहे। इस अवसर पर शाला विकास समिति के सदस्य लालमन प्रधान, तोषराम पटनायक, प्रकाश हमदेव, मंगत राम यादव तथा स्कूल के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। खेल प्रभारी एवं व्यायाम शिक्षक ऋषिकुमार साहू एवं सहयोगी धज कुमार पटेल तथा सेवानिवृत व्याख्याता जेएस कर द्वारा विभिन्न खेलो के संपादन में अपनी भागीदारी निभाई। मंच मैदान एवं अन्य व्यवस्था के लिए शाला के व्याख्याता धर्मवीर प्रधान, दीपिका पटेल, दिनेश साहू, शिला साय, मनहरण मैत्री, गजानंद पाणीग्राही का सहयोग रहा।

खबर संक्षेप

अमलीपदर में लगेगा सोलर हाईमास्ट लाइट, 5 लाख की मिली स्वीकृति

गरियाबंद। गरियाबंद जिले अंतर्गत बिन्द्रानवागढ़ के विधायक जनक धुरव की अनुशंसा पर कलेक्टर श्री बीएस उइके ने 1 निर्माण कार्य के लिए 5 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार विकासखण्ड मैनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत अमलीपदर में सोलर हाईमास्ट लाईट स्थापना के लिए 5 लाख रूपये की प्रशसकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त निर्माण कार्यो के लिए क्रियान्वयन एजेंसी का दायित्व सहायक अभियंता क्रेडा को सौंपा गया है।

बैठक में साहू समाज युवा प्रकोष्ठ का हुआ गठन

कोमाखान। कोमाखान में साहू समाज सुरमाल परिक्षेत्र क्रमांक 1 के नवनियुक्त पदाधिकारियों की प्रथम बैठक हुई। जिसमें साहू समाज सूरमाल परिक्षेत्र 1 के अध्यक्ष दुबे लाल साहू ने अध्यक्षता की। जिसमें सभी प्रकोष्ठों का गठन किया गया। साहू समाज युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गिरवर साहू, कार्यकारिणी अध्यक्ष जनक राम साहू, उपाध्यक्ष मोहित साहू, सचिव भीमा साहू, सदस्य भुनेश्वर साहू, टिकेश्वर साहू, नेमीचंद साहू, खिलावन साहू, सतीश साहू, पवन साहू, भूपेंद्र साहू शामिल है। आगामी 7 जनवरी को होने वाले राजिम जयंती को बड़े ही धूमधाम से मनाने के लिए निर्णय लिया गया।

प्रकृति समाज सेवी संस्था ने वृद्धजनों को बांटे कंबल

महासमुंद। प्रकृति समाज सेवी संस्था द्वारा संस्था प्रदेश के सचिव अमित यादव के जन्मदिन पर जरूरतमंद एवं असहाय वृद्धजनों को कंबल वितरण किया गया। कड़ाके की ठंड में यह सेवा कार्य बुजुर्गों के लिए बड़ी राहत साबित हुआ। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग समाज का आधार स्तंभ हैं और उनकी सेवा करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संस्था द्वारा लगातार किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं।

अब मोबाइल स्क्रीन पर खुलेगा मनरेगा का पूरा कच्चा चिट्ठा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

रसेला सहित प्रदेश भर में नई व्यवस्था लागू

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस के तहत राज्य में मनरेगा को लेकर एसी व्यवस्था लागू की गई है कि योजना से जुड़ी सारी जानकारी अब लोगों के हाथों में है। इसके लिए क्यूआर कोड जारी किए गए हैं, जिसे स्कैन करते ही योजना के तहत हो या हो चुकें सभी कामों का हिसाब किताब मोबाइल स्क्रीन पर आ जाता है। एक सितंबर से लागू इस नई व्यवस्था के तहत अब प्रदेश की कईयो पंचायतों में लोगों ने क्यूआर कोड स्कैन कर अपने गांव में मनरेगा के तहत चल रहे विकास कार्यों की जानकारी हासिल की है। बता दें कि प्रदेश में कुल 11,693 पंचायतें हैं। महज़ साढ़े तीन महीने में ही यह सेवा 99.79 प्रतिशत पंचायतों तक पहुंच चुकी है। इस व्यवस्था की सबसे खास बात यह है कि इसके लिए श्रमिकों को कोई खर्च नहीं करना पड़ता। क्यूआर कोड को सीधे मनरेगा के पोर्टल से लिंक किया गया है। मतलब बिना किसी ख़र्च केवल एक स्कैन से मोबाइल स्क्रीन पर मनरेगा से जुड़ी सारी जानकारी आसानी से हासिल की जा सकती है। मनरेगा के कार्यों में मनमानी की खबरें सामने आती थी। इन्ही अनियमितताओं पर रोक लगाने के साथ ही पारदर्शिता लाने मनरेगा आयुक्त तारण प्रकाश ने क्यूआर कोड की व्यवस्था ईजाद की, जिसके बाद इसे प्रदेश में लागू भी किया गया। सभी पंचायतों के लिए अलग क्यूआर कोड हैं :- ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत उस गांव के पिछले साल जारी किए गए काम,व्यय सहित अन्य जानकारी दर्ज है। दरअसल क्यूआर कोड को इस तरह से तैयार किया गया है कि केवल एक स्कैन से पूरी जानकारी मोबाइल स्क्रीन पर आसानी से दिख जाएंगी।

बिचौलियों और चक्कर काटने से मिली मुक्ति

हर ग्राम पंचायत के लिए अलग- अलग क्यूआर कोड जनरेट किया गया है। सभी ग्राम पंचायतों में क्यूआर कोड चस्पा करवा दिया गया है। मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इसमें बीते 5 साल तक के प्रगतिरत कार्यों के अलावा पिछले साल पूर्ण व अपूर्ण कार्यों, श्रमिकों की संख्या, मस्टरोल के साथ इस साल के स्वीकृत कार्यों व भुगतान की गई राशि का पूरा ब्यौरा मौजूद हैं। अब तक ये होता रहा है कि किसी काम या भुगतान के लिए श्रमिकों को सचिव व रोजगार सहायकों के चक्कर काटने पड़ते थे। यहां तक कि भुगतान की शिकायत को लेकर श्रमिकों को जनपद व जिला पंचायत तक जाना पड़ता था, लेकिन अब केवल एक स्कैन पर ही सारी जानकारी श्रमिक को अपने ग्राम पंचायत के सामने खड़े होकर ही मिल जाएगा।

निरीक्षण : कैंप भ्रमण के दौरान ग्राम छिंदौला, ओढ़, कुल्हाड़ीघाट, अमलोर के ग्रामीणों से हुए रूबरू

नक्सल प्रभावित कैंपों में पहुंचे एसपी, जवानों का बढ़ाया हौसला

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले के नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने पदभार संभालते ही अपनी कार्यशैली से स्पष्ट कर दिया है कि वे केवल दफ्तर तक सीमित नहीं रहेंगे। शनिवार को एसपी सिरमौर जिले के सबसे चुनौतीपूर्ण और घोर नक्सल प्रभावित इलाकों के औचक निरीक्षण पर निकले। उन्होंने मैनपुर विकासखंड के छिंदौला, ओढ़ और कुल्हाड़ीघाट कैंपों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। संवेदनशील कैंपों में पहुंचे कप्तान को अपने बीच पाकर जवानों का उत्साह दोगुना हो गया। एसपी ने जवानों से सीधा संवाद किया और उनके रहन-सहन व खान-पान का हाल जाना। उन्होंने जवानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ जंग में मानसिक और शारीरिक मजबूती सबसे बड़ा हथियार है। इसी कड़ी में उन्होंने जवानों को नियमित व्यायाम और योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया।

जमीन पर बैठकर सुनी ग्रामीणों की पीड़ा- निरीक्षण के बाद श्री सिरमौर छिंदौला, ओढ़, कुल्हाड़ीघाट और अमलोर जैसे गांवों की गलियों में पहुंचे। वहां उन्होंने किसी तामझाम के बिना बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों से आत्मीय चर्चा की। ग्रामीणों ने एसपी के समक्ष अपनी बुनियादी समस्याओं का पिटारा खोल दिया। कई मोहल्लों में अंधेरा और पेयजल की भारी किल्लत। स्कूलों में शिक्षकों की कमी और जर्जर भवन। आपातकालीन समय में पहुंच मार्ग और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव।

शासन और जनता के बीच सेतु बनेगी पुलिस- ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने मौके पर ही भरोसा दिलाया कि वे इन समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित विभागों के प्रमुखों से तत्काल बात करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि शासन की योजनाएं और मूलभूत सुविधाएं हर घर तक पहुंचे, इसके लिए पुलिस प्रशासन एक सेतु का काम करेगा।

ग्रामीणों की सुनीं समस्याएं

सुरक्षा के साथ विश्वास का नया अध्याय-

वनांचल के ग्रामीणों के लिए यह सुखद आश्चर्य था कि जिले का सबसे बड़ा पुलिस अधिकारी उनके बीच बैठकर उनकी समस्याओं को सुन रहा है। जानकारों का मानना है कि जब वर्दीधारी जनता के बीच जाकर उनकी बुनियादी जरूरतों की बात करता है, तो नक्सलवाद की जड़ें अपने आप कमजोर होने लगती हैं। एसपी का यह दौरा सुरक्षा के साथ-साथ जनता और पुलिस के बीच बढ़ते विश्वास का प्रतीक है।

उपलब्धियों के नाम पर रसेला को मिला शून्य अब 2026 से सरकार पर टिकीं बड़ी उम्मीदें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

साल 2025 अब मात्र जाने में 4 दिन शेष रह गया है। और नई उम्मीदों से भरा नया साल 2026 हमारी दहलीज पर खड़ा है। रसेला सहित क्षेत्र में बिना किसी बड़ी उपलब्धि के वर्ष 2025 बीतने वाला है। अब रसेला अंचल वासियों के लोगों को वर्ष 2026 से उम्मीद है। 2025 का अंतिम दिवस आने वाले दिन बुधवार को होगा। साल भर लेखा जोखा अगर देखें, तो रसेला क्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं हुई, अलबत्ता कई छोटी बड़ी समस्याओं से क्षेत्र के लोगों को दो चार होना पड़ा। वैसे तो हर वर्ष बीतता है,तब व अपने कुछ खट्टी-मीठी यादें छोड़कर जाता है। परंतु रसेला क्षेत्र में लोगों को उम्मीद थी,वह सपना ही रह गया। ज्ञात हो कि अभी हाल में 9 से 12 दिसंबर तक 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ संपन्न हुआ। जिसमें एक मंत्री से लेकर संत्री का पदार्पण नहीं हुआ। क्षेत्र के लोगों को वर्ष 2026 से काफी उम्मीदें हैं। सरकार की दृष्टिकोण से देखें तो प्रदेश की कांग्रेस सरकार का पांच वर्ष का कार्यकाल बीत चुके हैं और भाजपा डबल इंजन सरकार का कार्यकाल दो वर्ष भी हो चुका। इन सबके बीच रसेला से छुरा मार्ग का नवीनीकरण,

पुलिस थाना, कालेज, कोई भी एक बैंक, रसेला, रूवाड, कनसिघी में हायर सेकंडरी भवन, रसेला में उपतहसील का दर्जा को लेकर क्षेत्र के लोग उम्मीद लगाए बैठे हैं। लोगों को उम्मीद है कि डबल इंजन वाले सरकार उनकी समस्याओं पर विशेष ध्यान देगी। क्षेत्र में कई सहकारी कार्यालय प्रभारी के भरोसे चल रहे हैं। क्षेत्र में कई गांवों में अभी तक पानी टंकी का निर्माण पूर्ण नहीं हुआ है। और जहां पूर्ण हुआ है, वहां हर लोगों को पानी नसीब नहीं हो रहा है। क्षेत्र में कोई भी बड़ा बांध नहीं होने के कारण इस अंचल के किसानों को हमेशा प्रकृति के भरोसे खेतों किसानी करते हैं। मगर इस ओर अभी तक किसी सरकार ने ध्यान नहीं दिया।

चिंगरमाल में विधायक ध्रुव ने की जात्रा पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

क्षेत्रीय विधायक जनक ध्रुव ग्राम चिंगरमाल पहुंचे, जहां उन्होंने अमात गोंड़ नागवंशी मरई परिवार द्वारा आयोजित पारंपरिक जात्रा कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर विधायक जनक ध्रुव ने विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।जात्रा कार्यक्रम के दौरान विधायक जनक ध्रुव ने सामाजिक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे पारंपरिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी लोकसंस्कृति, सामाजिक एकता और परंपराओं को जीवित रखते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। वहीं समाज के मांग पर सामाजिक भवन की मांग को बहुत जल्द पुरा करने का आश्वासन भी दिया। विधायक ने आयोजक परिवार को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक पदाधिकारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ जात्रा कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम के समापन पर आयोजक परिवार की ओर से अतिथियों का सम्मान किया गया।इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक जनक ध्रुव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके कार्यक्रम में शामिल होने से समाज में सकारात्मक संदेश गया है और ऐसे आयोजनों को नई ऊर्जा मिलती है।

राजिम भक्तिन माता जयंती की तैयारी तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के तत्वावधान में आगामी 7 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले राजिम भक्तिन माता जयंती समारोह की तैयारी को लेकर शुक्रवार को साहू छात्रावास में राजिम भक्तिन माता समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की शुरूआत राजिम भक्तिन माता की आरती के साथ की गई। बैठक में विशेष रूप से विधायक रोहित साहू, प्रदेश साहू संघ के पूर्व उपाध्यक्ष भुनेश्वर साहू, पूर्व महामंत्री दयाराम साहू, पूर्व अध्यक्ष मेहतरू साहू, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष चितरंजन साहू, संरक्षक डॉ. रामकुमार साहू, रूपेंद्र साहू, जिला साहू संघ रायपुर ग्रामीण के अध्यक्ष देवनाथ साहू, जिला साहू संघ धमतरी के उपाध्यक्ष राजेंद्र साहू, जनपद पंचायत कुरूद की पूर्व अध्यक्ष शारदा-लोकनाथ साहू, जितेंद्र साहू, घनश्याम साहू, चंद्रिका साहू, तहसील साहू संघ पिथौरा के अध्यक्ष मनोहर साहू, तहसील साहू संघ बागबाहरा के अध्यक्ष एवन साहू, मगरलोड तहसील साहू संघ के अध्यक्ष रोहित साहू, तहसील साहू संघ फिंगेश्वर के अध्यक्ष खोमन साहू, तहसील साहू संघ राजिम के अध्यक्ष जगदीश साहू, सामाजिक कार्यकर्ता श्रद्धा रानी साहू (भिलाई), समिति के अध्यक्ष लाला साहू, कार्यकारी अध्यक्ष ईश्वरी साहू सहित विशेष आमंत्रित सदस्यगण, कार्यकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्षगण, महामंत्रीगण, महासचिवगण, संगठन मंत्रीगण, प्रचार मंत्रीगण, समस्त प्रकोष्ठों के संयोजकगण तथा जिला साहू संघ गरियाबंद, रायपुर ग्रामीण, महासमुंद एवं धमतरी जिले के तहसील, परिक्षेत्र एवं नगर अध्यक्ष बड़ी संख्या में शामिल थे।

इस अवसर पर विधायक रोहित साहू ने कहा कि समाज की आराध्य देवी राजिम भक्तिन माता की जयंती मनाना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी को तन, मन और धन से आगे आना चाहिए। 7 जनवरी को समाजजनों को अपना काम धाम बंद कर जयंती समारोह में शामिल होना है। भुनेश्वर साहू ने कहा कि यह जयंती समारोह वर्षों से निरंतर मनाया जा रहा है। हम सबको जयंती समारोह में शामिल होना चाहिए। पूर्व अध्यक्ष मेहतरू राम साहू ने बताया कि राजिम भक्तिन माता की जयंती आजादी के पूर्व से समिति के पदाधिकारियों द्वारा मनाई जाती रही है और समय के साथ इसका स्वरूप लगातार विस्तृत होता जा रहा है, जिससे समाज और अधिक संगठित हो रहा है। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के पूर्व महामंत्री दयाराम साहू ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से जयंती समारोह में नवाचार करते हुए हजारों सामाजिक जनों को कुर्सियों में बैठाकर भोजन भंडारा कराया गया, जो अत्यंत सराहनीय है, और आगे भी इसी प्रकार की उत्तम व्यवस्था होनी चाहिए।महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती शारदा लोकनाथ साहू ने कहा कि यह आयोजन नारी शक्ति की वंदना का प्रतीक है, अतः समाज की महिलाओं को इस समारोह में विशेष महत्व दिया जाना चाहिए।जिला साहू संघ रायपुर ग्रामीण के अध्यक्ष देवनाथ साहू ने अधिक से अधिक समाजजनों को जयंती समारोह में शामिल करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार की बात कही।

7 जनवरी को जुटेगा साहू समाज

ये रहे उपस्थित

बैठक में राजेंद्र साहू ,गणेश साहू ,डॉ. रामकुमार साहू ,मनोहर साहू ,एवन साहू सहित जिला साहू संघ गरियाबंद, महासमुंद, धमतरी एवं रायपुर के पदाधिकारी उपस्थित थे। जिनमें प्रमुख रूप से चितरंजन साहू, चंद्रिका साहू, उमा साहू, नूतन साहू, मिंजून साहू, भोले साहू, उमेश साहू, डॉ. ओंकार साहू, सोहन साहू, लोकनाथ साहू, जितेंद्र साहू, रामकुमार साहू, विष्णु साहू, राजु, रमेश साहू, यशवंत साहू, डॉ. टोमन साहू, प्रकाश साहू, नरोत्तम साहू, यशवंत साहू, ममता साहू, गायत्री साहू, हेमा साहू, नंदिनी साहू, दावना साहू, देवकी साहू, धनमती साहू, ढुकलहीन साहू, संगीता साहू, रामेश्वरी साहू, तामेश्वरी साहू, साक्षी साहू, गीता साहू, सुनीति साहू, देवकी साहू, धनबाई साहू, डॉ. डाली साहू, खुशी साहू सहित बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का किसान गमछा भेंट कर सम्मान किया गया। समिति के अध्यक्ष लाला साहू ने आभार व्यक्त किया।

गणेश-कार्तिकेय जन्म प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

ग्राम धुरसा में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह श्रद्धा, भक्ति और आस्था के वातावरण में निरंतर आगे बढ़ रहा है। कथा के छठवें दिन प्रसिद्ध कथावाचक हलधरनाथ महाराज ने भगवान गणेश और भगवान कार्तिकेय के जन्म प्रसंग का भावपूर्ण एवं रोचक वर्णन कर श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। भगवान कोपेश्वरनाथ महादेव मंदिर के पूर्व पुजारी एवं सुविख्यात कथावाचक हलधरनाथ महाराज ने शिव-पार्वती विवाह के पश्चात गणेश एवं कार्तिकेय के जन्म की कथा को सरल, भावनात्मक और प्रेरक शैली में प्रस्तुत किया। कथा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरे मनोयोग से कथा श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित किया।

कथावाचक ने बताया कि माता पार्वती ने अपने उबटन और चंदन के लेप से एक शिशु की रचना कर उसमें प्राण फूंके और उसे द्वारपाल नियुक्त किया। शिव के दीर्घकालीन प्रवास के कारण गणेश उन्हें पहचान नहीं सके। इसी अज्ञानवश गणेश द्वारा रोके जाने पर भगवान शिव ने उनका मस्तक काट दिया। जब माता पार्वती को इस घटना का ज्ञात हुआ तो वे अत्यंत व्याकुल और क्रोधित हो उठीं। देवताओं के परामर्श पर शिव ने हाथी का मस्तक लाकर गणेश को पुनर्जीवन प्रदान किया। इसी कारण भगवान गणेश को प्रथम पूज्य होने का वरदान प्राप्त हुआ।

कार्तिकेय जन्म और तारकासुर वध- कथा में भगवान कार्तिकेय के जन्म एवं उनके शौर्य का भी विस्तार से वर्णन किया गया। हलधरनाथ महाराज ने बताया कि कार्तिकेय ने असुर तारकासुर का वध कर देवताओं को भयमुक्त किया। यह प्रसंग धर्म, सत्य और शौर्य की विजय का प्रतीक है। कथा के दौरान भजन, कीर्तन और मंत्रोच्चारण से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु नाचते-झूमते हुए शिव महापुराण कथा का रसपान करते नजर आए। आजाद चौक, धुरसा में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालु उपस्थित रहे। यह शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह स्वर्गीय मंगतूराम साहू की स्मृति में उनके पुत्र लोकनाथ साहू एवं पत्नी जनक बाई साहू द्वारा आयोजित किया गया है। आयोजन को लेकर ग्रामवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। कथा के छठवें दिन शिव-पार्वती विवाह के पश्चात भगवान गणेश एवं कार्तिकेय जन्म की कथा ने श्रोताओं के हृदय को भक्ति और श्रद्धा से भर दिया।

पेज 11 के शेष...

125 दिन काम और...

परिवर्तन से निपटने वाले कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

ग्रामीणों ने दिखाया उत्साह-सरपंच ने जोर देकर कहा कि यह मिशन न केवल रोजगार पैदा करेगा बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ अधोसंरचना के निर्माण में भी सहायक सिद्ध होगा। ग्राम सभा में उपस्थित ग्रामीणों ने इस योजना को गांव के समग्र विकास के लिए एक बड़ी सौगात बताया। बैठक में पंचायत सचिव गोपेश कुमार सेन, रोजगार सहायक दीपक साहू और उपसरपंच उत्तम कुमार सोनवानी ने विभागीय प्रक्रियाओं की जानकारी दी। इस दौरान सुनील निर्मलकर, पूर्णिमा पराना, अमृत ध्रुव, कमला साहू, दुर्गा साहू, कुमार ध्रुव, तुलू राम निर्मलकर सहित लगभग 125 गणमान्य नागरिक और ग्रामीण उपस्थित रहे।

सच्ची भक्ति ही...

त्यागकर प्रभु श्रीराम की चरण-पादुका को अयोध्या के सिंहासन पर स्थापित किया और स्वयं तपस्वी जीवन व्यतीत किया। भरत का त्याग, भ्रातृप्रेम और मर्यादा आज भी मानव समाज के लिए आदर्श है। प्रभु श्रीराम के आदर्शों और उनके भक्तों की भक्ति ने सभी को आत्मिक आनंद और भक्ति रस से सराबोर कर दिया। भक्त केवट की पावन कथा एवं भरत चरित्र की कथा में भारी भीड़ देखने को मिली।

भाई का प्रेम संपत्ति नहीं, विपत्ति बांटने के लिए : भरत चरित्र- कथा प्रसंग के दौरान पंडित प्रशांत महाराज जी ने बताया कि निषादराज केंवट ने प्रभु श्रीराम से कहा कि मैं आपके चरणों का चरणामृत लेकर ही नाव से पार कराऊंगा। केंवट ने अपनी पत्नी और अपने बच्चों को चरणामृत पान कराया। भगवान श्रीराम ने केंवट को गंगा पार उतराई देना चाहा तो उन्होने लेने से इंकार करते हुए कहा कि भगवान आप भवसागर पार कराते हैं और मैं गंगा पार कराता हूं। मानो केंवट ने भगवान से यह कहना चाहता हो कि भगवान मुझे इस भवसागर से पार करा दो। कथा प्रसंग में पंडित प्रशांत जी महाराज ने बताया कि यदि सच्ची श्रद्धा और भक्ति हो तो कोई भी भगवान की कृपा प्राप्त कर सकता है। सुख-दुख,लाभ-हानि, यश-अपयश ये सब विधि के हाथ में होता है। ईधर देखिए भरत का अपने भाई श्रीराम के प्रति अटूट प्रेम और निष्ठा। राजसिंहासन का त्याग कर भरत ने मिसाल कायम की बल्कि गुरु वशिष्ठ के साथ चित्रकूट जाकर श्रीराम को मनाने का प्रयास किया। पंडित जी ने बताया कि श्रीराम चरितमानस कथा जीवन जीने की कला सिखाती है। भाई से भाई का संबंध संपत्ति बांटने के लिए नहीं, विपत्ति बांटने के लिए होता है। कथा के मुख्य यजमान, मनोज, बबलू विश्वकर्मा, पुष्पलता विश्वकर्मा थे। श्रीराम कथा श्रवण करने शनिवार को छत्तीसगढ़ पीसीसी के पूर्व चीफ धनेंद्र साहू,नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष धनराज मध्यानी, पूर्व उपाध्यक्ष जीत सिंग, राजा चांवला, राकेश सोनकर, गोपाल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालुजन मौजूद थे।

कार्यालय कलेक्टर (विवाह शाखा)
गरियाबंद (छत्तीसगढ़)

सार्वजनिक सूचना

क्रमांक/क-6195/विवाहअधि./2025
गरियाबंद, दिनांक 11/12/2025

सर्व साधारण की जानकारी के लिए यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री धनेन्द्र कुमार पिता भागचंद उम्र 21 वर्ष ग्राम कनेसर तहसील छुरा जिला गरियाबंद (पत्नि) एवं आवेदिका चुकेश्वरी साहू पिता मुरालीराम साहू उम्र 21 वर्ष ग्राम बोईरगांव तहसील छुरा जिला गरियाबंद (पत्नि) ने हिन्दु विवाह अधिनियम के अधीन अपने विवाह के रजिस्ट्रीकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त विवाह के रजिस्ट्रीकरण में आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 09/01/2026 के पूर्व अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नही किया जावेगा। आज दिनांक 09/12/2025 को इस कार्यालय के मुद्रा सहित जारी किया गया।

मुहर

विवाह अधिकारी
जिला-गरियाबंद

खबर संक्षेप

जुलुम-दतरेंगा मार्ग पर लूटपाट के मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

अभनपुर। जुलुम-दतरेंगा मार्ग पर स्थित डोमा नाला के पास से आपराधिक घटनाएं सामने आने से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। बीते दिनों इसी रूट पर अलग-अलग स्थानों पर तीन लोगों के साथ लूट एवं मारपीट की घटनाएं हुई हैं। यह तीनों मामलों की प्रकृति समान है जिसमे एक मामले मे तीन आरोपियो के पर कार्यवाही की गई है। पहली घटना 2 दिसंबर 2024 की है, जिसमें ग्राम जुलुम निवासी प्रदीप साहू पर जुलुम नाला के पास तीन अज्ञात युवकों ने चाकू से हमला कर मोबाइल लूट लिया। हमले में प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया,आज पर्यन्त तक आरोपियो की पहचान नही हो पाई है । दूसरी घटना 16 दिसंबर 2025 को डोमा नाला के पास हुई, जहां ग्राम रवेली निवासी करण सोनकर एवं उसके साथी के साथ तीन युवकों ने रास्ता रोककर गाली-गलौच करते हुए डंडे से मारपीट की और मोबाइल गिराकर फरार हो गए। बाद में ग्रामीणों की मदद से कुछ आरोपियों की पहचान भी बताई गई जिसके आधार पर मुजगहन पुलिस ने आरोपियो पर विधिसम्मत कार्यवाही की है। तीसरी घटना 21 दिसंबर 2025 को डोमा नाला के पास सामने आई, जिसमें ग्राम छछानपैरी निवासी बुधारू कोसले से तीन युवकों ने एक्टिवा में आकर बलपूर्वक दो मोबाइल छीन लिए। तीनों घटनाओं में समानता यह है कि वारदातें नाला क्षेत्र, रात के समय, तीन युवकों द्वारा दो-पहिया वाहन से की गईं और मोबाइल लूट मुख्य उद्देश्य रहा। जुलुम सरंपच खेमिन लोकेश साहू सहित आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग राजधानी रायपुर को जोड़ती है जहां ग्रामीण अंचल के मजदूर व नौकरीपेशा लोग अपने अपने रोजी मजदूरी के लिए आवागमन करते है इस प्रकार के घटना से लोगो मे डर का माहौल बना हुआ है ग्रामीणो ने पुलिस से मांग की है कि उक्त मार्ग पर रात्रि गश्त बढ़ाई जाए,ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके।

बड़ेउरला में 30-31 को पंथी नृत्य प्रतियोगिता

अभनपुर। सतनामी समाज बड़े उरला नगर पालिका परिषद अभनपुर के तत्वावधान मे गुरू घासीदास बाबा की जंयती समारोह एवं दो दिवसीय छग राज्य स्तरीय पंथी नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन 30 व 31 दिसम्बर को रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक इन्द्रकुमार साहू,विशेष अतिथि पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू एवं अध्यक्षता सत.समाज परिक्षेत्र अध्यक्ष राधाकृष्ण टंडन सहित अन्य जनप्रतिनिधि व सामाजिक पदाधिकारी शामिल होगे। आयोजक समिति ने बताया कि प्रतियोगिता मे पुरूष व महिला संवर्ग मे क्रमशः प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टोली को नगद पुरस्कार व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जायेगा वही 31 दिसम्बर को रात्रिकालिन कार्यक्रम छत्तीसगढ़ी लोक सांस्कृतिक रंग रंजन की मनमोहक प्रस्तुति होगी।

पर्यटन : उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व, सिकासार, पैरी उद्गम में नव वर्ष के स्वागत में पहुंचने लगे पर्यटक

सिकासार व उदंती रिजर्व में उमड़े हजारों पर्यटक, ऑस्ट्रेलिया से भी पहुंचे मेहमान

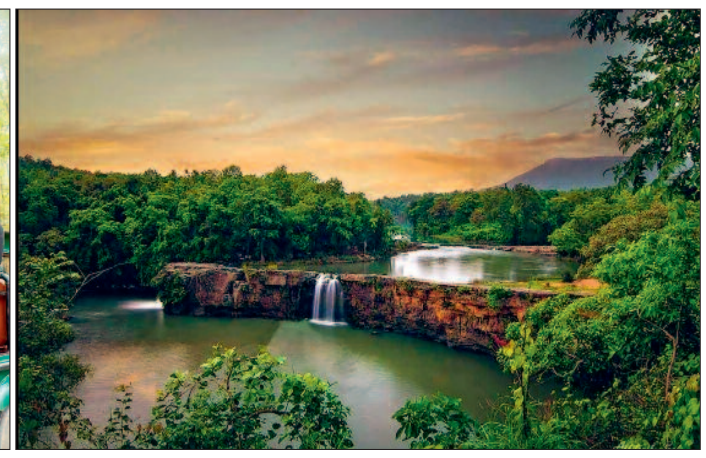
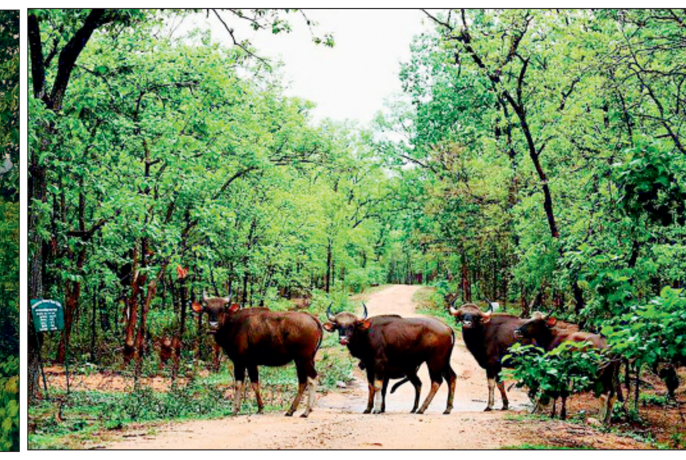

मैनपुर। दिसंबर के अंतिम सप्ताह से लेकर पूरे जनवरी माह भर उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व सहित क्षेत्र के सिकासार जलाशय, पैरी उद्गम, देवदहरा में पर्यटकों की भारी भीड़ लगती है और इस कड़ाके की ठंड में दूर-दूर से पर्यटक अभी से पहुंचने लगे है। शनिवार को सिकासार जलाशय में हजारों की संख्या में पर्यटक सुबह से देर शाम तक पहुंच रहे थे नए साल को अपनों संग यादगार बनाने के लिए देश विदेश के भी पर्यटकों के सबसे पसंदीदा स्थलों में यह प्रमुख है। इन दिनों यहां कड़ाके की ठंड के साथ कोहरे से भरा आकाश ओस की टपकती बूंदो का मनोरम प्राकृतिक दृश्य पर्यटकों को आकर्षित कर रहा हैं। नए साल के स्वागत के लिए लोगों को ऐसी जगह की तलाश रहती है जहां प्रकृति के बीच आनंद लिया जा सके यह तलाश इस क्षेत्र के पर्यटन स्थलों में पूरी होती है इसलिए यहां बड़ी संख्या में पर्यटक अभी से पहुंचने लगे है। प्रकृति व जंगल में खुले स्वच्छन्द विचरण करते वन्यप्राणियों को देखने और कोलोहाल से दूर शांति में नया वर्ष मनाने बड़ी संख्या में पर्यटक छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलो के साथ ओड़िसा प्रदेश से भी गरियाबंद जिले के उदंती सीतानदी टाईगर रिवर्ज के देवदहरा जलप्रपात, गोडेना फाल, इको सेंटर, तौरेंगा, सोदूर एवं सिकासार जलाशय पहुंच रहे है। तहसील मुख्यालय मैनपुर से 28 किमी दूर सिकासार जलाशय में भारी भीड़ देखने को मिलती है यहां दुर्गा भिलाई, धमतरी, राजनांदगांव, रायपुर क्षेत्र से जहां एक ओर कालेज के छात्र बड़ी संख्या में पहुंचे हुए है वहीं कई परिवार भी आए हुए है साथ ही अपने सुरक्षा के लिए ठंड से बचने कम्बल, सोयटर और पूरे भोजन की व्यवस्था के साथ पहुंचे है सिकासार में चारो तरफ पर्यटकों को आलाव जलाकर थिरकते नजर आते है। वहीं कोलोहाल से दूर शांति और घने जंगल तौरेंगा रेस्टहाउस, इको सेन्टर कोयबा, उदंती में भी बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे है।

पर्यटकों को सुरक्षा के लिए पहले विभाग से संपर्क करना जरूरी- उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के देवदहरा जलप्रपात हो या क्षेत्र के अन्य पर्यटन स्थल यहां आने से पहले पर्यटकों कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी है। वन विभाग और संबंधित विभाग से संपर्क कर गाइड लेकर जाना ही सुरक्षा के लिहाज से बेहतर होगा। साथ ही यह घने वनांचल क्षेत्र है इसके लिए विभाग से संपर्क कर पहले विश्राम गृह के लिए संपर्क करना जरूरी है।

ऑस्ट्रेलियाई पर्यटकों ने देखा वाइल्ड लाइफ का रोमांच

इस क्षेत्र में ओड़िसा प्रदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते है और खुले जिप्सी में जंगल में घुमकर स्वतंत्र विचरण करते वन्य प्राणियों को देखने का अवसर मिलता है जिसके कारण उदंती अभ्यारण में हर वर्ष नया वर्ष में भारी भीड़ देखी जा रही है। मैनपुर से 25 किमी दूर देवदाहरा जल प्रपात में भी भारी संख्या में पर्यटक पहुंचे है। यहां कुल्हाड़ीघाट कठवा नदी में कायकिंग का आनंद ले रहे है पूरे गरियाबंद जिले में कायकिंग का आनंद व सुविधा वन विभाग द्वारा कठवा कुल्हाड़ीघाट नदी में व्यवस्था की गई। आस्टेलिया से पहुंचे पर्यटकों ने उदंती अभ्यारणय में खुले में विचरण कर रहे वन्यप्राणियों को देखकर खुशी से चहक उठे। मैनपुर के उदंती अभ्यारण्य में आस्टेलिया से चार दिन पूर्व 6 पर्यटको का दल पहुंचा था और उन्होने यहां जिप्सी से अभ्यारण्य क्षेत्र का भ्रमण किया घने जंगल मे खुले में स्वतंत्र विचरण कर रहे वन्यप्राणी भालू, बारहसिंगा, चीतल, सांभर को देखकर खुशी से चहक उठे। इसके बाद देवदहरा जलप्रपात और सिकासार का भी भ्रमण किया हरिभूमि की टीम से चर्चा करते हुए आस्टेलिया से पहुंचे राजकुमार, आरव, अर्जुन, दिलीप, विलियम, माइकल ने बताया की यहां आकर उन्हे बहुत अच्छा लगा अपने साथ यहां के यादगार लम्हे लेकर लौट रहे है।

पंचायत हरदी में हितग्राहियों को उप सरपंच ने बांटे कार्ड राशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के राशन कार्ड जारी किए जाते हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के माध्यम से प्रदेश के पात्र नागरिकों को राशन कार्ड उपलब्ध कराकर उन्हें चावल, चीनी, केरोसिन सहित अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री रियायती दरों पर प्रदान कर रही है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत हरदी में पात्र हितग्राहियों को अंत्योदय राशन कार्ड का वितरण किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच, पंचगण, एवं रूपनाथ बंजारे (उप सरपंच ग्राम पंचायत हरदी एवं अध्यक्ष, उप सरपंच संघ छुरा) की उपस्थिति में गोदावरी यादव और

टंकेश्वर कंवर सहित तीन हितग्राहियों को अंत्योदय कार्ड प्रदान किए गए। इस अवसर पर उप सरपंच रूपनाथ बंजारे ने कहा कि अंत्योदय राशन कार्ड अत्यंत गरीब और अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है, जिससे उन्हें नियमित रूप से खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित होती है। उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत छुरा के अधिकारी एवं कर्मचारी शासन की विशेष महत्वाकांक्षी योजनाओं को गंभीरता से लेते हुए त्वरित निराकरण कर रहे हैं, जिससे पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल पा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राशन कार्ड, पेंशन, एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ अंतिम छोर में बसे व्यक्ति तक पहुंचाना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता है और ग्राम पंचायत स्तर पर भी इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने शासन की योजनाओं के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए जनप्रतिनिधियों और प्रशासन का आभार प्रकट किया। ग्राम पंचायत हरदी में इस प्रकार के कार्यों से गरीब एवं वंचित वर्ग को राहत मिल रही है और सामाजिक सुरक्षा की भावना मजबूत हो रही है।

शिविर में 50 युवाओं ने किया ब्लड डोनेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

ग्राम पंचायत कौन्दकेरा में याशीष मेमोरियल वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में एक भव्य एवं सराहनीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 50 लोग ने ब्लड डोनेट किया। शिविर का उद्देश्य मानव सेवा, सामाजिक दायित्व और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में ग्रामीणों,युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ ग्राम पंचायत सरपंच राधिका मनोज यादव, युवा नेता किरण टंडन, जनपद सदस्य रामेश्वरी कुर्रे, पूर्व जनपद सदस्य कोमल घोगरे पांच सुमित बघेल, पूर्व पंच सुनील साहू, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रमेशु यादव, लिखन साहू, नारद साहू के आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर सरपंच ने अपने उद्बोधन में कहा कि "रक्तदान महादान है। यह न केवल किसी की जान बचाता है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को भी सशक्त करता है। याशीष मेमोरियल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा किया गया यह प्रयास अनुकरणीय है। ऐसे आयोजनों से समाज में जागरूकता बढ़ती है और युवा वर्ग को सकारात्मक दिशा मिलती है। उन्होंने आगे युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को आगे आकर इस पुण्य कार्य में सहभागी बनना चाहिए।

रक्तदाताओं को दिया गया प्रमाण पत्र- शिविर में चिकित्सकीय टीम द्वारा रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से रक्त संग्रह किया गया। रक्तदान करने वाले सभी दाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी साझा की गई। याशीष मेमोरियल वेलफेयर फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था निरंतर समाजसेवा, स्वास्थ्य एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करती रही है और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों एवं ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा। अंत में आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

फूलचंद अग्रवाल कॉलेज के बीएड छात्रों ने किया जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण

नवापारा राजिम। फूलचंद अग्रवाल स्मृति महाविद्यालय के बीएड प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थी नया रायपुर में छत्तीसगढ़ आदिवासी संग्रहालय अवलोकन के लिए गए। इस टीम में शैक्षणिक भ्रमण प्रभारी सहायक प्राध्यापक नैना पहाड़िया, डॉ. सारिका साहू, प्रीति शाह, बबलू यादव शामिल थे। इस टीम के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ आदिवासी संग्रहालय, जो राज्य की जनजातियों की समृद्धि, संस्कृति, परम्पराओं, वेशभूषाओं, रीति-रिवाजों, नृत्य-संगीत और

जीवन को जीवंत रूप में प्रदर्शित किए गए को अवलोकन किया। नैना पहाड़िया ने बताया कि इसके साथ ही साइबर अपराध पर नुक्कड़ नाटक कर जागरूकता रैली निकाली गई। साइबर अपराध एक ऐसा कानूनी अपराध है, जो कंप्यूटर, नेटवर्क और इंटरनेट जैसे डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके किया जाता है, जिसमें हैकिंग, फिशिंग, मैलवेयर हमले, पहचान की चोरी और ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसी गतिविधियां शामिल है, जिससे वित्तीय नुकसान, डेटा हानि और प्रतिष्ठा को नुकसान होता है। इससे बचने के लिए साइबर सुरक्षा और जागरूकता बहुत जरूरी है। नुक्कड़ नाटक में पूनम देवी, ऐश्वर्या साहू, जीतेश्वरी, आरती, साक्षी सिन्हा, शिवा, जानू जॉनसन, दीपक साहू इत्यादि ने प्रस्तुति दी।

रक्तदाताओं को दिए गए प्रशस्ति पत्र

ग्राम पंचायत कुरूद में 17 लोगों ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाण्डुका

अंचल के ग्राम पंचायत कुरूद में विगत दिनों ऐतिहासिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत कुरूद और शाकंभरी सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में ग्रामीणों ने अभूतपूर्व उत्साह दिखाया। यह पहला अवसर था जब ग्राम पंचायत स्तर पर इस तरह के बड़े सेवा कार्य का आयोजन हुआ। शिविर की सबसे खास बात महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही। शाकंभरी सेवा संस्थान के संयोजक मनोज पटेल ने बताया कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता का संचार हो रहा है। पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं ने भी रक्तदान को अपनी जिम्मेदारी समझा और बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में रेखा देवांगन, सेवती कंवर,

कमलेश साहू, खुलेश साहू, बुधराम, रामचंद्र साहू, भुवन लाल साहू, युगल साहू और चंद्रशेखर साहू सहित कुल 17 लोगों ने रक्तदान कर मानवता की सेवा का संकल्प लिया।

अतिथियों ने बढ़ाया उत्साह- इस गरिमामयी अवसर पर जनपद पंचायत छुरा के प्रभारी सीईओ रूप कुमार ध्रुव और ग्राम पंचायत कुरूद की सरपंच इंदरा लूमेश कंवर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके इस साहसी और सेवाभावी कार्य की सराहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में गुलाब साहू, दिनेश साहू, पितांबर साहू, दुलेश्वर और अन्य कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। संयोजक मनोज पटेल ने सफल आयोजन के लिए पूरे ग्राम पंचायत और रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सकेगा और ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य के प्रति चेतना जागेगी।

विलुप्त हो रही धान भंडारण की पारंपरिक ढुसी तकनीक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

ग्रामीण इलाकों के गांवों में पहले धान कटाई के बाद धान को सुरक्षित घर में रखने के लिए पैरा से ढुसी बनाकर उसमें सुरक्षित रखा जाता था इसमें कई वर्षों तक धान को सुरक्षित रखा जाता था लेकिन अब आधुनिक युग में यह धीरे -धीरे विलुप्त होते जा रहा है लेकिन आज भी मैनपुर आदिवासी विकासखण्ड क्षेत्र के ग्रामीण इलाको में कई किसान पतला खाने वाले धान को सुरक्षित इसी तरह रखते है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार कभी धान भंडारण की यह पारंपरिक विधि आम देखने को मिलती थी, लेकिन आधुनिकता और मशीनों के बढ़ते उपयोग के कारण अब यह धीरे-धीरे इतिहास बनती जा रही है। 1990 के दशक से पहले गांवों में किसान इसी तरह से धान को सुरक्षित रखते थे। इस विधि में धान को भूसे (पराली) से घेरकर गोलाकार ढांचे में रखा जाता था। नीचे जमीन पर विशेष तरीके से बिछावन कर धान रखा जाता, जिससे नमी और कीटों से फसल सुरक्षित रहती। ऊपर से भी भूसे की मोटी परत डाली जाती थी, जिससे बारिश और धूप का सीधा असर न पड़े। यह पूरी तरह प्राकृतिक और बिना किसी खर्च की तकनीक थी। स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि इस पद्धति से रखा गया धान सालो तक खराब नहीं होता था। गांवों में इसे "धान कोठा" या "परंपरागत भंडारण ढांचा" कहा जाता था। यह न सिर्फ भंडारण का तरीका था, बल्कि ग्रामीण संस्कृति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी था। आज के समय में किसान आधुनिक गोदामों, प्लास्टिक बोरी और मशीनों पर निर्भर हो गए हैं। इसके चलते यह पारंपरिक ज्ञान नई पीढ़ी तक नहीं पहुंच पा रहा है और धीरे-धीरे लुप्त होता जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस तरह की देसी तकनीकों को संरक्षित कर आधुनिक तरीकों के साथ जोड़ा जाए, तो यह किसानों के लिए कम लागत और पर्यावरण के अनुकूल समाधान बन सकती है। यह तस्वीर उसी पुराने दौर की याद दिलाती है, जब किसान प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर खेती और भंडारण किया करते थे। अब जरूरत है कि ऐसी परंपराओं को दस्तावेज में दर्ज कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाए।